

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीलमिन्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

BUR-4

➤ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में भारत ने अपनी वैश्विक जलवायु प्रतिबद्धताओं के हिस्से के रूप में ग्रीन हाउस गैस (GHG) उत्सर्जन सूची एवं उसे रोकने से संबंधित प्रयासों का विवरण देते हुए रिपोर्ट प्रकाशित किया है।
- *** रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के GDP की उत्सर्जन तीव्रता (जो आर्थिक गतिविधियों की ऊर्जा दक्षता को दर्शाता है), 2005-2020 के दौरान 36% तक कम हो गई है।
Note :- भारत ने 'पंचामृत' के तहत 2030 तक इसे 45% तक कम करने का लक्ष्य रखा है।
- यह एक द्विवार्षिक अद्यतन (Updated) रिपोर्ट (BUR) है।

➤ BUR :

- *** UNFCCC (जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन) के तहत विकासशील देशों को जलवायु कार्यवाही की दिशा में किये जा रहे प्रयासों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रत्येक 2 वर्ष में प्रस्तुत करने की बाध्यता है।
- *** यह दायित्व पेरिस समझौते (COP-21, 2015) के तहत बाध्यकारी है।
- इस रिपोर्ट में महत्वपूर्ण जलवायु प्रस्तुतियां, वानिकी के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक कारकों, GHG का उत्सर्जन एवं उनके स्रोतों और प्राकृतिक कार्बन सिंकों (Carbon Sink) आदि को शामिल किया जाता है।

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीलमिन्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

- इसके अलावा इसमें उत्सर्जन को कम करने के लिए राष्ट्रीय योजनाओं तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए देश को प्राप्त वित्तीय, तकनीकी एवं क्षमता निर्माण आदि की भी विस्तृत रिपोर्ट शामिल की जाती है।
- *** यह BUR का चौथा संस्करण (BUR-4) है।

➤ प्रमुख प्रस्तुतियां :

- BUR-4 के तहत BUR-3 को अपडेट किया गया है।
- रिपोर्ट में 2020 के लिए राष्ट्रीय GHG सूची शामिल है, जिसमें बताया गया है कि भारत अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए सही रास्ते पर है।
- *** भारत ने रिपोर्ट में 2030 तक GDP उत्सर्जन तीव्रता को 2005 की तुलना में 45% कम करने की प्रतिबद्धता को दोहराया है।
- *** जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ईंधन और जीवाश्म ईंधन से विद्युत ऊर्जा की तरफ प्रगति करना, आर्थिक गतिविधि का विस्तार करते हुए GHG उत्सर्जन तीव्रता को कम करने के उदाहरण है।

➤ विशिष्टता :

- *** रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में भारत का कुल GHG उत्सर्जन 2959 मिलियन टन CO₂ के बराबर था, जबकि वानिकी क्षेत्र एवं भूमि संसाधनों द्वारा अवशोषण के बाद देश का शुद्ध GHG उत्सर्जन 2437 मिलियन टन CO₂ के बराबर था।
- *** देश का कुल GHG उत्सर्जन (भूमि उपयोग, भूमि उपयोग परिवर्तन एवं वानिकी सहित) 2019 की तुलना में 7.93% कम हो गया है लेकिन 1994 की तुलना में इसमें 98.34% की वृद्धि हुई है।

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीलमिन्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

➤ ***** प्रमुख योगदान :**

- रिपोर्ट के अनुसार, कुल GHG उत्सर्जन में मुख्य योगदान निम्न द्वारा दिया जाता है—
 1. जीवाश्म ईंधन के जलने से CO₂ उत्सर्जन,
 2. पशुधन से मीथेन उत्सर्जन,
 3. एल्युमिनियम तथा सीमेंट उत्पादन से उत्सर्जन,
- रिपोर्ट के अनुसार कुल GHG उत्सर्जन में CO₂ का योगदान 80.53%, मीथेन का योगदान 13.32%, नाइट्रस ऑक्साइड 5.13% तथा अन्य का योगदान 1.02% है।
- क्षेत्रवाद विश्लेषण से पता चलता है कि ऊर्जा क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, औद्योगिक प्रक्रिया एवं उत्पाद उपयोग तथा अपशिष्ट क्षेत्र का योगदान GHG उत्सर्जन में क्रमशः 75.66%, 13.72%, 8.06% एवं 2.56% है।
- ऊर्जा क्षेत्र में सर्वाधिक योगदान (GHG उत्सर्जन) बिजली उत्पादन (39%) है।

➤ **लक्ष्य एवं प्रतिबद्धताएं :**

- ******* 2030 तक गैर-जीवाश्म इंधनों से 50% तक विद्युत शक्ति क्षमता स्थापित करना,
- GDP की ऊर्जा तीव्रता को कम करना,
- ******* 2030 तक अतिरिक्त वृक्षावरण एवं वनावरण के माध्यम से 2.5–3 बिलियन टन CO₂ के समतुल्य कार्बन सिंक (CO₂ अवशोषक तंत्र) बनाना,

Note :- BUR-4 के अनुसार, भारत 2005–2021 के दौरान 2.29 मिलियन टन CO₂ के समतुल्य कार्बन सिंक बना चुका है।

Note :- भारत 2021 में ही 2070 तक 'नेट जीरो' या 'कार्बन न्यूट्रल' तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित कर चुका है।

Note :- अक्टूबर 2024 तक भारत ने गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन को कुल बिजली उत्पादन के 46.52% तक पहुंचा दिया है।

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीलमिन्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

➤ उपलब्धियां :

- भारत में 'प्रदर्शन, उपलब्धि एवं व्यापार' योजना का उपयोग करके उत्सर्जन में कमी लाने का विचार 2011 में प्रस्तुत किया था, जिसका मुख्य उद्देश्य ऊर्जा की खपत को कम करने एवं औद्योगिक क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना था।
- इस योजना के फलस्वरूप 2012-2022 के दौरान सीमेंट उद्योग, लोहा एवं इस्पात उद्योग, एल्युमिनियम उद्योग, एवं कपड़ा उद्योग एवं कागज-लुगदी उद्योग ने क्रमशः 3.35 Mtoe (मिलियन टन तेल के बराबर), 6.14 Mtoe, 2.13 Mtoe, 0.33 Mtoe एवं 0.63 Mtoe की बचत की है।
- समस्त थर्मल पावर क्षेत्र ने इस योजना के तहत 7.72 Mtoe की ऊर्जा बचत की है एवं 28.74 मिलियन टन CO₂ उत्सर्जन को रोका है।

➤ उन्नत तकनीकें :

- भारत जलवायु परिवर्तन से काफी प्रभावित है, अतः जलवायु परिवर्तन कार्यवाही के लिए भारत लगातार उन्नत तकनीक की ओर अग्रसर हो रहा है।
- ऐसे उन्नत तकनीक की भी इस रिपोर्ट में चर्चा की गई है, जिसमें शामिल है-
 - अल्ट्रा कुशल फोटोवॉल्टिक सेल ,
 - उन्नत फोटोवॉल्टिक सेल,
 - प्लोटिंग विंड टरबाइन,
 - भूतापीय प्रौद्योगिकी,
 - औद्योगिक क्षेत्र में कार्बन-कैप्चरिंग प्रणाली,
 - सौर एवं पवन ऊर्जा संचालित विलवणीकरण तकनीक,

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीलमिन्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

MCQ-1 : भारत द्वारा UNFCCC को हाल ही में प्रस्तुत किए गए द्विवार्षिक अद्यतन रिपोर्ट (BUR)-4 के अनुसार, देश में कुल GHG उत्सर्जन में मुख्य योगदानकर्ता के संबंध में कौन सा विकल्प सत्य है-

- सर्वाधिक CO₂ उत्सर्जन - एल्युमिनियम एवं सीमेंट उद्योग
- ऊर्जा क्षेत्र का हिस्सा - 75.66%
- CO₂ उत्सर्जन का हिस्सा - 70.50%
- ऊर्जा क्षेत्र में बिजली उत्पादन का हिस्सा - 45%

Ans.-(b)

Mains-1 : द्विवार्षिक अद्यतन रिपोर्ट (BUR)-4 की प्रमुख प्रतिबद्धताओं, लक्ष्यों एवं प्रस्तुतियों की चर्चा कीजिए तथा बताइए कि उन्नत तकनीकें किस प्रकार जलवायु परिवर्तन से निपटने में सहायक साबित हो सकती हैं।

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीलमिन्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.

- 1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.**
- 2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹**
- 3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹**
- 4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹**
- 5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹**

कोर्स या Test Series के लिए

WhatsApp कीजिये

9235313184, 9235446806

